सुलतानपुर जनपद (उत्तर प्रदेश) की साक्षरता में विद्यमान क्षेत्रीय विषमताएँ

–डॉ. श्वेता उपाध्याय
असि0 प्रो0 (भूगोल)
सावित्री श्रीनाथ महाविद्यालय, रसूलपुर, बाकरगंज, अम्बेडकरनगर (उ0प्र0)

सारांश

सुलतानपुर जनपद में साक्षरता देश की साक्षरता दर से कम है एवं राज्य औसत के समान है। विकास खण्ड स्तर पर साक्षरता मे विषमता देखने को मिलती है। जनपद में साक्षरता की वृद्धि दर भी कम है। साक्षरता की कमी और असमान वितरण के कारण जनपद में विकास की गति मन्द है। साथ ही साथ साक्षरता की कमी इस क्षेत्र के विकास में बाधक है। अतः यदि जनपद का सम्यक विकास करना है तो शिक्षा एवं साक्षरता की दिशा में सुधार लाना होगा।

संकेत शब्द–

जनसंख्या, शिक्षित जनसंख्या, क्षेत्रीय विषमता, विभिन्नता गुणांक, साक्षरता।

प्रस्तावना–

किसी भी देश की सामाजिक–आर्थिक प्रगति साक्षरता पर निर्भर करती है। यह समाज के आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास की गति का परिचायक है। साक्षरता जनसंख्या का वह सामाजिक पक्ष है जिसके आधार पर किसी क्षेत्र के सामाजिक–आर्थिक व सांस्कृतिक विकास का मापदण्ड निर्धारित किया जा सकता है। यह जनसंख्या का एक सामाजिक पक्ष होते हुए भी एक ऐसा गुणात्मक तत्व है जो क्षेत्रीय आधार पर परिवर्तन आर्थिक प्रवृत्ति की ओर प्रत्यक्ष रूप से संकेत करता है। भारतीय जनगणना विभाग ने साक्षरता को एक गुण के रूप में स्वीकार किया है, जबकि संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसे किसी भी भाषा में छोटे साधारण कथनों की समझ के साथ पढ़ने और लिखने की योग्यता के रूप में परिभाषित किया है। साक्षरता का गरीबी उन्मूलन, मानसिक एकाकीपन का समाप्तिकरण, शान्तिपूर्ण भाई–बन्धु वाले अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के निर्माण में भारी महत्व है। साक्षरता एक ऐसा मानदण्ड है जो किसी राष्ट्र के भावी विकास की आधार शिला को प्रभावित करते हैं। किसी देश की साक्षरता वहाँ के ऐतिहासिक सामाजिक तथा धार्मिक कारकों से प्रभावित होती है। भारत में भी इन सभी कारकों का प्रभाव साक्षरता पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य जनपद में साक्षरता में विद्यमान क्षेत्रीय विषमता का विश्लेषण करना है। साथ ही साथ साक्षरता की दृष्टि से पिछड़े क्षेत्रों की पहचान करके इसकी वृद्धि हेतु सुझाव प्रस्तुत करना है।

अध्ययन क्षेत्र–

प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र मध्यवर्ती गंगा मैदान का एक भाग है। इसका अक्षांशीय विस्तार $25^0 5'$ उत्तरी से $26^0 40'$ उत्तरी तथा देशान्तरीय विस्तार $81^0 32'$ पूर्वी देशान्तर से $82^0 41'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य है।

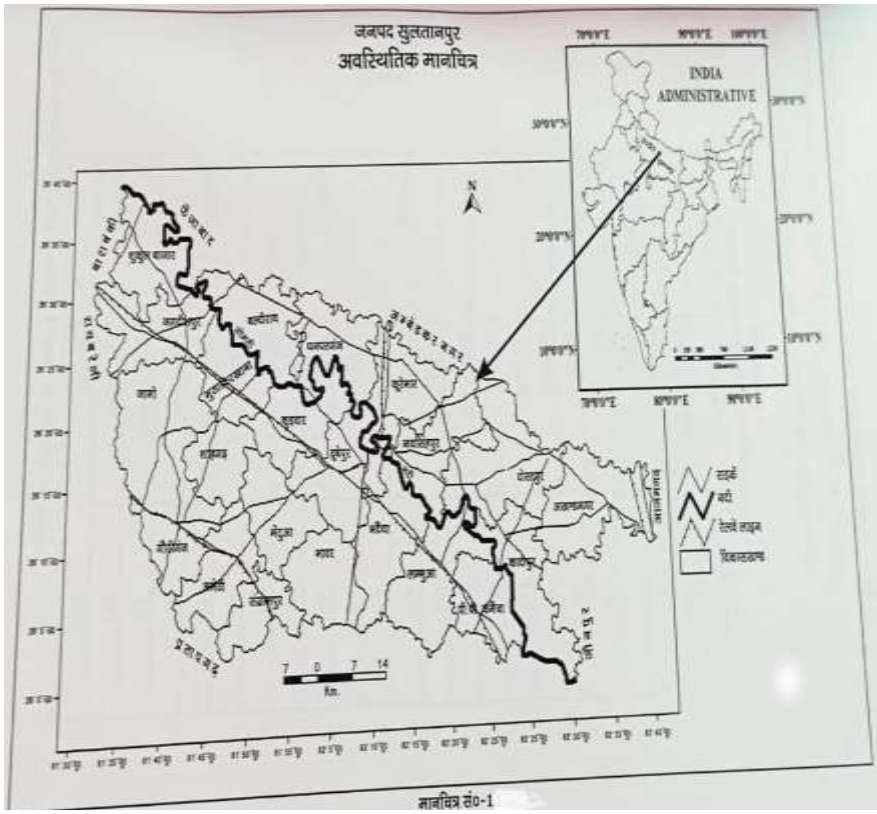

मानचित्र सं0-1

जनपद की सीमा से उत्तर में अयोध्या तथा अम्बेडकरनगर, पूर्व में जौनपुर दक्षिण में रायबरेली तथा पश्चिम बाराबंकी जनपद की सीमा से संलग्न है। जनपद का सम्पूर्ण भौगोलिक क्षेत्रफल 4436 वर्ग किमी0 है। कुल जनसंख्या 3190926 (2001) तथा जनसंख्या घनत्व 725 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 है। प्रशासनिक दृष्टि से जनपद में 6 तहसीलें और 23 विकास खण्ड है। जनपद में सात नगरीय क्षेत्र, 2531 राजस्व गाँव तथा 187 न्याय पंचायत थीं। वर्ष 2012 में इसकी तीन तहसीलें अमेठी, गौरीगंज तथा मुसाफिरखान को लेकर नया जनपद अमेठी का गठन कर दिया गया है। वर्तमान में जनपद में 14 विकास खण्ड हैं। वर्ष 2011 में यहाँ की कुल साक्षरता 67.89 प्रतिशत है।

शोध प्रविधि–

प्रस्तुत अध्ययन मुख्यतः द्वितीयक आंकडों पर आधारित है। अध्ययन क्षेत्र में कुल साक्षरता में विद्यमान क्षेत्रीय विषमता के निर्धारण के लिए वर्ष 2001 एवं 2011 के विकास खण्ड स्तर के आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। आंकड़ों के एकत्रीकरण का स्रोत जनपद द्वारा प्रकाशित जिला सांख्यिकीय पत्रिकाएं हैं। अध्ययन को उपयोगी बनाने के लिए मध्यमान मूल्य (Mean) मानक विचलन (S.D.) तथा विभिन्नता गुणांक (C.V.) की गणना की गयी है। तद अनुसार दस वर्षों की समयावधि में विद्यमान क्षेत्रीय विषमता का विश्लेषण किया गया है।

साक्षरता का क्षेत्रीय वितरण प्रतिरूप–

सुलतानपुर जनपद में साक्षरता के विवरण को सारिणी एक में दर्शाया गया है। अध्ययन क्षेत्र में वर्ष 2001 में साक्षरता दर 54.60 प्रतिशत थी जो उत्तर प्रदेश के 57.40 तथा भारत के 65.40 से कम थी। वर्ष 2011 में जनपद में कुल साक्षरता 67.89 प्रतिशत थी जो राज्य के 67.70 से कुछ अधिक तथा देश के 73.0 प्रतिशत से कम पायी गयी है। साक्षरता की दृष्टि से जनपद के विकास खण्डों को चार वर्गों अति निम्न, निम्न, मध्यम और उच्च में विभाजित किया गया है।

सुलतानपुर जनपद के चार विकास खण्डों शुकुल बाजार, जगदीशपुर, मुसाफिरखाना तथा जामों में साक्षरता दर वर्ष 2001 में 50 प्रतिशत से कम पायी गयी है। इन विकास खण्डों अति निम्न वर्ग में रखा गया है, जबकि 2011 में इस वर्ग में विकास खण्डों की संख्या मात्र दो पायी गयी। इसमें कादीपुर और करौंदीकला विकास खण्ड शामिल हैं। यहाँ साक्षरता दर 67 प्रतिशत से कम पायी गयी है। वर्ष 2001 में तीन विकास खण्डों बल्दीराय, शाहगढ़ और गौरीगंज को निम्न वर्ग में रखा गया। इनमें साक्षरता का प्रतिशत 50–54 के मध्य पाया गया था। वर्ष 2011 में निम्न वर्ग में बल्दीराय और दोस्तपुर विकास खण्ड पाये गये। इन विकास खण्डों में साक्षरता दर 67 से 69 प्रतिशत के बीच पायी गयी है।

सारिणी–1 सुलतानपुर जनपद में साक्षरता का क्षेत्रीय वितरण (प्रतिशत में)

वर्ग	आन्तरिक मूल्य	2001		आन्तरिक मूल्य	2011	
		विकास खण्ड की संख्या	कुल विकास खण्ड का प्रतिशत		विकास खण्ड की संख्या	कुल विकास खण्ड का प्रतिशत
अति निम्न	50 से कम	4	17.39	67 से कम	2	14.29
निम्न	50 – 54	3	13.05	67 – 69	2	14.29
मध्यम	54 – 58	13	56.52	69– 71	6	42.85
उच्च	58 से अधिक	3	13.04	71 से अधिक	4	28.57
योग–		**23**	**100.00**	**योग**	**14**	**100.00**
S.V.- 2001	Mean= 54.60		S.D. = 4.78		C.V.= 8.75 %	
S.V. -2011	Mean= 67.89		S.D. = 6.88		C.V.= 10.13%	

Source:- District Statistical Bulletin-2004 & 2014

2011 में उन विकास खण्डों को उच्च वर्ग में रखा गया जहाँ साक्षरता 71 प्रतिशत से अधिक पायी गयी है। इस श्रेणी के अन्तर्गत जनपद के 4 विकास खण्ड कुड़वार, दूबेपुर, भदैंया और प्रतापपुर कमैचा को सम्मिलित किया गया है। जनपद में कुल साक्षरता का मध्यमान मूल्य 54.60 प्रतिशत था जो बढ़कर वर्ष 2011 में 67.89 प्रतिशत हो गया। दस वर्षों की अवधि में जनपद में क्षेत्रीय विषमता में आंशिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2001 में विभिन्नता गुणांक 8.75 प्रतिशत से बढ़कर 10.13 प्रतिशत हो गयी।

साक्षरता के मध्यम वर्ग में वर्ष 2001 में 13 विकास खण्ड पाये गये, इसमें भेटुआ, भादर, धनपतगंज, कूड़ेभार, जयसिंहपुर, कुड़वार, भदैंया, दोस्तपुर, अखण्डनगर, लम्भुआ, प्रतापपुर कमैचा, कादीपुर और मोतिगरपुर विकास खण्ड आकलित किये गये। इनमें साक्षरता का प्रतिशत 54 से 58 के मध्य पाया गया था। वर्ष 2011 में जिन विकास खण्डों में साक्षरता दर 69 से 71

प्रतिशत के मध्य था उनको मध्यम वर्ग में रखा गया है। इस वर्ग में जनपद के छः विकास खण्ड धनपतगंज, कूड़ेभार, जयसिंहपुर, अखण्डनगर, लम्भुआ और मोतिगरपुर पाये गये। साक्षरता के उच्च वर्ग में वर्ष 2001 में तीन विकास खण्ड, अमेठी, संग्रामपुर और दूबेपुर को समाहित किया गया। यहाँ साक्षरता 58 प्रतिशत से अधिक पायी गयी थी।

निष्कर्ष एवं सुझाव–

अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता की स्थिति आज भी दयनीय है। वर्ष 2001 एवं 2011 में कुल साक्षरता प्रदेश एवं देश के औसत से कम पायी गयी है। अध्ययन से स्पष्ट हुआ है कि दस वर्षों की समयावधि में साक्षरता में पर्याप्त सुधार हुआ है फिर भी राष्ट्रीय औसत से कम है। जनपद के सभी विकास खण्डों में साक्षरता में वृद्धि हुई है, परन्तु करौंदीकला, कादीपुर और बल्दीराय विकास खण्ड की स्थिति दयनीय है। अतः संतुलित शैक्षिक विकास के लिए इन विकास खण्डों में अन्तराक्षेत्रीय स्तर पर प्रयास की महती आवश्यकता है। जनपद में साक्षरता में वृद्धि के लिए अनिवार्य शिक्षा सभी आयु वर्ग के लिए शक्ती के साथ लागू करने की आवश्यकता है। साथ ही साथ शिक्षा सम्बन्धी अवस्थापनात्मक सुविधाओं के साथ अन्य सुविधाएं जैसे–परिवहन, संचार, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बिजली तथा रोजगार का व्यापक पैमाने पर विस्तार करने की आवश्यकता है तभी पूर्ण साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

Reference-

1. Chandana, R.C.(2000) Population Geography, Kalyani Publishers, New Delhi, P-181.
2. Shukla, D.K. (2015) Raebareli District (U.P.) Ki Saksharta Mein Parivartan Ki Dasha Avam Disha, Journal of Integrated Development and Research, P.81-88.
3. Tripathi, Kamal (2021) Purvi Uttar Pradesh Mein Jansankhya Ka Parivartanshil Swaroop-Aek Bhaugolik Adhyayan unpublished Ph.D. Thesis Dr. RML Avadh University, Faizabad, P-132-139.
4. Yadav, R.S. & Singh Manju (2020) Raebareli Janpad (U.P.) Mein Stri Saksharta Mein Vidyaman Chhetriya Vishamtayen Aek Bhaugolik Vishleshan, Journal of Integrated Development and Research Vol. 10 , No.2, P-30.